बैलेंस्ड एडवांटेज फंड : घटा निवेश

अभिषेक कुमार
मुंबई, 21 अगस्त

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड (बीएएफ) महंगे मूल्यांकनों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए अपने इक्विटी निवेश को कम कर रहे हैं। बाजार में लगातार तेजी की वजह से महंगे मूल्यांकन की चिंता बढ़ गई है।

करीब 94,000 करोड़ रुपये की प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) के साथ इस सेगमेंट में सबसे बड़े फंड एचडीएफसी बीएएफ ने जुलाई में अपना शुद्ध इक्विटी निवेश घटाकर 50 प्रतिशत से कम कर दिया, जो पिछले दो साल में सबसे कम है। इसी तरह, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएएफ का इक्विटी में निवेश जुलाई के अंत तक सिर्फ 31.2 प्रतिशत था, जो 20 महीने के निचले स्तर पर है। एसबीआई बीएएफ की भी 30.9 प्रतिशत के साथ कम इक्विटी भागीदारी रही।

बीएएफ मूल्यांकन के आधार पर इक्विटी और डेट आवंटन को प्रबंधित करते हैं। भले ही नियम ऐसी योजनाओं को आवंटन के संबंध में संपूर्ण स्वायत्तता प्रदान करते हैं, फिर भी वे इक्विटी कराधान से लाभ उठाने के लिए आमतौर पर न्यूनतम 65 प्रतिशत इक्विटी निवेश का विकल्प चुनते हैं, जो डेट की तुलना में फायदेमंद है।

हालांकि, बीएएफ सकल स्तर पर कराधान की आवश्यकता का अनुपालन करते हुए अपने शुद्ध जोखिम को 65 प्रतिशत से नीचे लाने के लिए इक्विटी डेरिवेटिव का उपयोग करते हैं।

मौजूदा इक्विटी स्तरों में बदलाव इक्विटी बाजार पर फंड हाउस के नजरिये में भी दिखा है।

अपनी ताजा रिपोर्ट में, एसबीआई एमएफ ने कहा है कि भारतीय इक्विटी के लिए उसके प्रॉपराइटरी इंडिकेटर में महंगे मूल्यांकन के बीच दबाव दिखा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'सेंटीमेंट इंडेक्स एक विपरीत माप के रूप में काम करता है और अपेक्षित अग्रिम प्रतिफल के साथ इसका विपरीत सह-संबंध होता है, विशेष रूप से तेजी की स्थिति में, जैसा कि अभी है। इसके अलावा, जहां हम मध्यावधि में आय पर आशान्वित बने हुए हैं, लेकिन अल्पावधि की राह कमजोर दिख रही है, क्योंकि जिंस कीमतों में नरमी आई है। हमारा मानना है कि यह मिश्रण इक्विटी बाजारों में अब तक जारी सट्टा गतिविधियों में कमी लाने के लिए आदर्श है।'

मौजूदा समय में, सभी बाजार पूंजीकरण खंडों के बाजार अपने दीर्घावधि औसत से ऊंचे मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी-50 सूचकांक का 12 महीने आगामी पीई अनुपात 20.7 गुना पर है जो पांच वर्षीय औसत 19.2 गुना की तुलना में ज्यादा है। निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों का पीई अनुपात 33.6 गुना और 21.5 गुना पर है, जबकि उनके पांच वर्षीय औसत 24.4 गुना और 17.2 गुना के रहे हैं।

प्रो-साइक्लिकल ऐसेट एलोकेशन मॉडल पर अमल करने वाले एडलवाइस बीएएफ ने पिछले महीने के अंत तक 69 प्रतिशत का शुद्ध इक्विटी निवेश दर्ज किया था।

इक्विटी योजनाओं में नकदी स्तर भी पिछले महीने तेजी से बढ़ा। मोतीलाल ओसवाल की एक रिपोर्ट से पता चला है कि शीर्ष 26 फंड हाउसों की इक्विटी योजनाओं के पास जुलाई 2024 के अंत तक करीब 80,000 करोड़ रुपये की नकदी थी, जो जून के 62,700 करोड़ रुपये की तुलना में 27 प्रतिशत तक ज्यादा है।

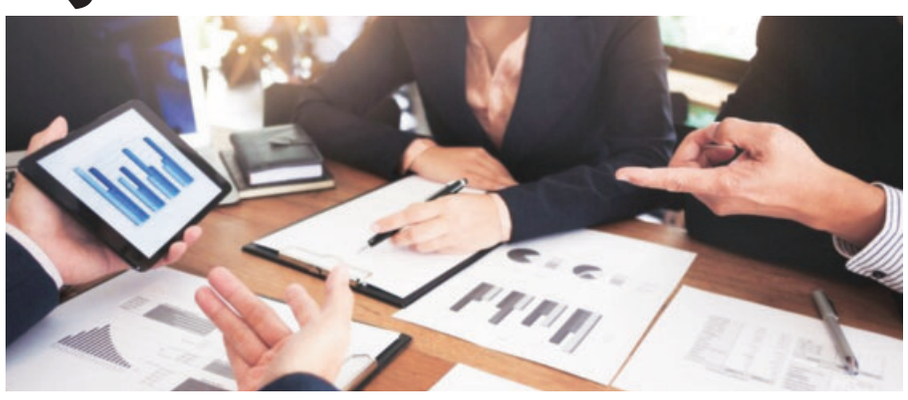

महंगे मूल्यांकन की चिंता

- मूल्यांकन नई ऊंचाई पर पहुंचने से इन फंडों में इक्विटी निवेश घटा है
- 26 फंड हाउसों की इक्विटी योजनाओं के पास जुलाई 2024 तक करीब 80,000 करोड़ रुपये की नकदी
- एचडीएफसी एमएफ का इक्विटी निवेश घटकर 50 प्रतिशत से नीचे
- आईसीआईसीआई एमएफ का 20 महीने के निचले स्तर पर आया
- बीएएफ मूल्यांकन के आधार पर इक्विटी और डेट आवंटन को प्रबंधित करते हैं

राइट्स इश्यू को आकर्षक बनाने का प्रस्ताव

सेबी को साधना होगा संतुलन

समयसीमा में कमी स्वागतयोग्य है लेकिन कुछ प्रस्ताव इश्यू की गुणवत्ता के साथ समझौता हो सकते हैं : कानूनी विशेषज्ञ

खुशबू तिवारी
मुंबई, 21 अगस्त

बाजार नियामक सेबी ने राइट्स इश्यू की समयसीमा को मौजूदा चार महीने से घटाकर एक महीने से भी कम करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। बाजार में इसकी प्रशंसा हो रही है, लेकिन कुछ चिंता भी है। कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि निवेश बैंक की नियुक्ति की जरूरत समाप्त करने से अनुचित और खराब गुणवत्ता वाले डिस्क्लोजर आ सकते हैं, साथ ही हितों के टकराव भी हो सकते हैं।

सूचीबद्ध कंपनियों के लिए रकम जुटाने के अन्य साधनों के मुकाबले राइट्स इश्यू को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए सेबी ने मंगलवार को राइट्स इश्यू के ढांचे में कई बदलावों का प्रस्ताव किया है। इन नियमों को अंतिम रूप तब दिया जाएगा जब नियामक को फीडबैक मिल जाएगा और इससे कंपनियों की अल्पावधि में पूंजी जुटाने की योजना में बदलाव नहीं आएगा।

खेतान लीगल एसोसिएट्स में पार्टनर संगीता झुनझुनवाला ने कहा कि प्रक्रिया पूरी करने के लिए बताई गई समय सीमा घटाने के कदम से डिस्क्लोजर की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और भ्रामक तथा गलत जानकारी का जोखिम बढ़ा सकता है।

उन्होंने कहा कि इस कदम का लक्ष्य बिना नियामकीय अड़चन के इश्यू लाने वाली कंपनियों को समय पर नकदी उपलब्ध कराना है। हालांकि मंजूरी आधारित से सूचना आधारित प्रक्रिया में जाते समय निवेशकों के हितों को भी सुरक्षित रखना होगा।

अभी मर्चेंट बैंकरों को एक्सचेंजों व सेबी के पास फाइलिंग के लिए ड्यू डिलिजेंस, पेशकश का मसौदा पत्र तैयार करना और दस्तावेज बनाने होते हैं। बाजार नियामक की योजना इनमें से कुछ कदमों से बाहर निकलने या भूमिका शेयर बाजारों को सौंपने की है जिससे से उसकी जिम्मेदारी घट जाएगी।

सिंघानिया ऐंड कंपनी में पार्टनर कुणाल शर्मा ने कहा कि निवेशकों का जोखिम उस समय बढ़ सकता है जब मर्चेंट बैंकर स्वतंत्र रूप से ड्यू डिलिजेंस नहीं करें क्योंकि वे इस प्रक्रिया में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हैं। इश्यू लाने वाली कंपनी के पास अपने दम पर ड्यू डिलिजेंस की व्यवस्था नहीं भी हो सकती है जिससे गलतियां हो सकती हैं।

शर्मा ने कहा कि शेयर बाजारों और डिपॉजिटरीज की तरफ से आवेदन की पुष्टि और आवंटन के आधार को अंतिम रूप देने में हितों का टकराव हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ये इकाइयां पुष्टि और आवंटन दोनों में शामिल होती हैं तो वे निवेशकों से पहले अपने या इश्यू वाली कंपनियों के हितों को प्राथमिकता दे सकती हैं। हालांकि मर्चेंट बैंकर की नियुक्ति की जरूरत समाप्त करना समयसीमा में कमी लाने के लिहाज से अहम है।

सेबी के चर्चा पत्र के मुताबिक मर्चेंट बैंकर ड्यू डिलिजेंस और विस्तृत पेशकश दस्तावेज तैयार करने में करीब 50-60 दिन का समय लेते हैं। सेबी ने ड्यू डिलिजेंस प्रमाणपत्र की जरूरत और नियामक के पास दस्तावेज का मसौदा जमा कराने की जरूरत समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है।

प्रस्तावों की प्रशंसा, चिंता भी

- प्रक्रिया पूरी करने के लिए बताई गई समय सीमा घटाने के कदम से डिस्क्लोजर की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और भ्रामक तथा गलत जानकारी का जोखिम बढ़ा सकता है
- निवेशकों का जोखिम उस समय बढ़ सकता है जब मर्चेंट बैंकर स्वतंत्र रूप से ड्यू डिलिजेंस नहीं करें क्योंकि वे इस प्रक्रिया में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हैं
- शेयर बाजारों और डिपॉजिटरीज की तरफ से आवेदन की पुष्टि और आवंटन के आधार को अंतिम रूप देने में हितों का टकराव हो सकता है

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को एक्सचेंज से हटाने की मंजूरी

भाविनी मिश्रा
नई दिल्ली, 21 अगस्त

अल्पांश शेयरधारकों के ऐतराज को खारिज करते हुए नैशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के मुंबई पीठ ने बुधवार को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को शेयर बाजारों से हटने की मंजूरी दे दी। मंजूर योजना के मुताबिक आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के शेयरधारकों को हर 100 शेयरों पर आईसीआईसीआई बैंक के 67 शेयर मिलेंगे।

न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह जी बिष्ट और तकनीकी सदस्य प्रभात कुमार ने क्वांटम म्युचुअल फंड और निवेशक मनु ऋषि गुप्ता के उस आवेदन को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को शेयर बाजार से हटाने के प्रस्ताव का विरोध किया था। एनसीएलटी ने पक्षकारों की दलीलें सुनने के बाद 5 अगस्त को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। बीएसई से असूचीबद्धता के बाद आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का शेयर 5 फीसदी गिरकर दिन के निचले स्तर 808.55 पर आ गया।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटी ने पंचाट को बताया था कि असूचीबद्धता का विरोध करने वालों के पास हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि कंपनी अधिनियम की धारा 230 (4) का प्रावधान कहता है कि धारा 230 के तहत स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को लेकर कोई ऐतराज उस व्यक्ति की तरफ से आना चाहिए जिसके पास कम से कम 10 फीसदी इक्विटी हो या कुल बकाया कर्ज का 5 फीसदी हो। क्वांटम म्युचुअल फंड और मनु ऋषि गुप्ता के पास आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की क्रमशः 0.08 फीसदी व 0.002 फीसदी हिस्सेदारी है।

आईसीआईसीआई बैंक की सहायक फर्म ने तर्क दिया था कि दोनों आवेदन खारिज किए जाने चाहिए क्योंकि यह शेयरधारक के लोकतंत्र के सिद्धांत के खिलाफ है। इसने कहा था कि असूचीबद्ध कराने के प्रस्ताव को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के 93.82 फीसदी इक्विटी शेयरधारकों ने मंजूरी दी है।

ऐसा ही एक मामला एनसीएलटी दिल्ली में भी है। अल्पांश शेयरधारकों ने दिल्ली पीठ को बताया था कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने आईसीआईसीआई बैंक के साथ शेयरधारकों की विस्तृत जानकारी साझा कर शेयरधारकों की निजता और प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन किया है।

बेंगलूरु के इन्वेस्टमेंट मैनेजर मनु ऋषि गुप्ता की अगुआई में अल्पांश शेयरधारकों की याचिका में कहा गया कि आईसीआईसीआई बैंक ने शेयरधारकों को अपने प्रस्ताव के समर्थन के लिए प्रभावित किया ताकि उसकी ब्रोकिंग सहायक शेयर बाजार से असूचीबद्ध हो जाए। उन्होंने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक के कर्मचारियों ने आम शेयरधारकों से संपर्क साधा और उन्हें असूचीबद्धता के हक में मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारियों ने शेयरधारकों को प्रभावित करने के लिए पावर पाइंट प्रेजेंटेशन तैयार किया और उनके तकनीकी विशेषज्ञ न होने का फायदा उठाया।

बंबई उच्च न्यायालय भी ऐसे ही मामले की सुनवाई कर रहा है।

मंजूर योजना के मुताबिक आईसीआईसीआई सिक्यो. के शेयरधारकों को हर 100 शेयरों पर आईसीआईसीआई बैंक के 67 शेयर मिलेंगे

अब एचजेडएल का ओएफएस हुआ फायदेमंद

बीएस संवाददाता
मुंबई, 21 अगस्त

हिंदुस्तान जिंक ने 19 रुपये के अंतरिम लाभांश की घोषणा कर निवेशकों के लिए ओएफएस को फायदे का सौदा बना दिया। लाभांश की घोषणा ओएफएस समाप्त होने के एक दिन बाद मंगलवार को हुई, जो ओएफएस कीमत पर करीब 4 फीसदी प्रतिफल बैठता है। जस्ते और चांदी की एकीकृत निर्माता ने लाभांश भुगतान के लिए 28 अगस्त की तारीख तय की है।

यह हिंदुस्तान जिंक का दूसरा अंतरिम लाभांश है। इससे पहले मई में उसने 10 रुपये का पहला अंतरिम लाभांश दिया था। उसका इस वित्त वर्ष में कुल लाभांश भुगतान 12,253 करोड़ रुपये यानी 29 रुपये प्रति शेयर रहा है। इस तरह से सूचीबद्ध कंपनियों में अग्रणी लाभांश प्रतिफल वाले शेयरों में एक के तौर पर हिंदुस्तान जिंक ने अपनी स्थिति मजबूत की है।

मजबूत प्रदर्शन के दम पर वित्त वर्ष 20 से 24 के बीच कंपनी का कुल लाभांश वितरण 61,000 करोड़ रुपये छू गया है जो औसतन 12,000 करोड़ रुपये सालाना बैठता है।

इरेडा लाएगी एफपीओ

सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी 4,500 करोड़ रुपये का सार्वजनिक अनुवर्ती निर्गम पेश करेगी। कंपनी की बोर्ड बैठक 29 अगस्त को होगी, जिसमें इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने एक्सचेंजों को यह जानकारी दी है। *बीएस*

एफपीआई ने वित्तीय शेयरों से 1.8 अरब डॉलर निकाले

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त के पहले पखवाड़े में वित्त क्षेत्र के शेयरों से 14,790 करोड़ रुपये (1.8 अरब डॉलर) की निकासी की। अमेरिका में मंदी की आशंका से वैश्विक जोखिम गहराने के डर से एफपीआई ने बिकवाली पर जोर दिया। बैंकिंग शेयरों में गिरावट को बढ़ावा देने वाले अन्य कारकों में जून तिमाही में सुस्त आय वृद्धि, कमजोर जमा वृद्धि से जुड़ी चिंता और आरबीआई द्वारा सख्त तरलता मानक शामिल हैं।

इसके विपरीत एफपीआई ने सुरक्षित समझे जाने वाले क्षेत्रों में निवेश किया और हेल्थकेयर तथा एफएमसीजी के शेयरों में खरीदारी की। 5 अगस्त को एफपीआई ने 10,073 करोड़ रुपये के शेयर बेचे जो उनकी तीसरी सबसे बड़ी एक-दिवसीय बिकवाली थी। इससे प्रमुख सूचकांकों में 3 प्रतिशत गिरावट को बढ़ावा मिला था। वैश्विक बाजारों में भी अमेरिकी बेरोजगारी से जुड़े निराशाजनक आंकड़ों के बाद गिरावट आई।

अगस्त के पहले पखवाड़े में एफपीआई की कुल शुद्ध निकासी 18,823 करोड़ रुपये रही। अक्सर जोखिम वाली अवधि के दौरान एफपीआई वित्तीय शेयरों से पैसा निकालते हैं क्योंकि उनमें उनकी बड़ी पूंजी लगी होती है। 15 अगस्त तक वित्तीय शेयरों में एफपीआई का निवेश 27.28 प्रतिशत था जो 31 जुलाई के 27.48 प्रतिशत से कम है। आईटी क्षेत्र 9.33 प्रतिशत के साथ दूसरा सर्वाधिक एफपीआई निवेश वाला क्षेत्र रहा। – **सुंदर सेतुरामन**

एफपीआई की बिकवाली एवं खरीदारी

अमेरिका में मंदी की आशंका से पैदा हुए वैश्विक जोखिम के बीच एफपीआई का निवेश सुरक्षित समझे जाने वाले शेयरों पर केंद्रित हुआ

क्षेत्र	शुद्ध प्रवाह (करोड़ रु.)	क्षेत्र	शुद्ध प्रवाह (करोड़ रु.)
वित्तीय	-14,790	स्वास्थ्य सेवा	3,462
धातु एवं खनन	-2,668	उपभोक्ता सेवाएं	2,196
सेवाएं	-2,088	एफएमसीजी	1,785
निर्माण सामग्री	-2,036	बिजली	1,169
वाहन	-1,628	दूरसंचार	662

स्रोत: प्राइमइन्फोबेस डॉटकॉम

सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी जारी

शेयर बाजारों में बुधवार को भी तेजी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 100 अंक से अधिक चढ़ा। घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत लिवाली के बीच दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और स्वास्थ्य क्षेत्र के शेयरों में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

कारोबारियों के अनुसार, हालांकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक का ब्योरा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में सतर्क रुख के बीच हाल में विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी ने घरेलू बाजार में तेजी पर कुछ अंकुश लगाया। बाजार में कारोबार सीमित दायरे में रहा। बीएसई सेंसेक्स में लगातार दूसरे दिन तेजी रही और यह 102.44 अंक चढ़कर 80,905.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 149.97 अंक तक चढ़ गया था। एनएसई निफ्टी में पांचवें दिन तेजी रही और यह 71.35 अंक की बढ़त के साथ 24,770.20 अंक पर बंद हुआ।

जियोजित फाइनैंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू बाजार बढ़त के साथ एक सीमित दायरे में रहा। बाजार को घरेलू संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से समर्थन मिला। बाजार में जोखिम से निपटने के लिए रक्षात्मक माने जाने क्षेत्रों का प्रदर्शन अच्छा रहा।'

उन्होंने कहा, 'फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में कुछ सतर्क रुख देखने को मिला। *भाषा*

निप्पॉन का निफ्टी 500 इक्वल वेट इंडेक्स फंड

निप्पॉन इंडिया म्युचुअल फंड ने बुधवार को उद्योग में पहली ऐसी पैसिव पेशकश की है जो निफ्टी 500 के प्रत्येक शेयरों में समान अनुपात में निवेश करेगी। इस नई स्कीम का नाम निप्पॉन इंडिया निफ्टी 500 इक्वल वेट इंडेक्स फंड है और इसका यह निफ्टी 500 सूचकांक के प्रत्येक शेयर में 0.2 प्रतिशत निवेश होगा जबकि निफ्टी 500 इंडेक्स फंड में शेयर का भार उसके घटकों के आकार पर निर्भर करता है। समान भार की रणनीति की वजह से इस फंड का लार्जकैप की तुलना में मिडकैप ओर स्मॉलकैप शेयरों में ज्यादा निवेश होगा। फंड ने कहा है, 'इंडेक्स लार्जकैप शेयरों में 20 प्रतिशत, मिडकैप में 30 प्रतिशत और स्मॉलकैप शेयरों में 50 प्रतिशत निवेश उपलब्ध कराएगा।'

यूनियन एएमसी का मल्टी-ऐसेट एलोकेशन फंड पेश

यूनियन ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी ने नया फंड 'यूनियन मल्टी-ऐसेट एलोकेशन फंड' शुरू किया है। यह फंड इक्विटी और इक्विटी आधारित योजनाओं में करीब 65-80 प्रतिशत निवेश करेगा। उसने गोल्ड ईटीएफ के यूनिट खरीदने के लिए 10-25 प्रतिशत राशि निर्धारित की है। *बीएस*

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

THIS IS AN ADDENDUM TO THE RED HERRING PROSPECTUS DATED AUGUST 8, 2024

FTX

Scan this QR code to view the Addendum to RHP Ad

FORCAS STUDIO LIMITED

CIN: U14101WB2024PLC267500

Forcas Studio Limited (our "Company" or the "Issuer") was originally formed as a partnership firm under the name and style of 'M/s. Forcas Apparels' pursuant to a deed of partnership dated April 9, 2010. Subsequently, pursuant to a resolution dated October 3, 2023 passed at the meeting of partners of M/s. Forcas Apparels, the partnership firm was converted into a private limited company under the Companies Act, 2013 under the name and style of 'Forcas Studio Private Limited' and a certificate of incorporation dated January 12, 2024 was issued by the Registrar of Companies, Central Registration Centre. Subsequently, pursuant to a resolution passed by our Board of Directors in their meeting held on February 20, 2024, and by the Shareholders at an Extra-Ordinary General Meeting held on February 23, 2024, our Company was converted into a public limited company and consequently the name of our Company was changed to 'Forcas Studio Limited' and a fresh certificate of incorporation dated April 5, 2024 was issued by Registrar of Companies, Central Processing Centre. For details of change in Registered Office of our Company, please refer to the chapter titled "History and Certain Corporate Matters" on page 138 of the Red Herring Prospectus.

Registered Office: Tara Maa Tower, B3-71C/161 B B T Road, Vivekanandapur, South 24 Parganas, Thakurpukur Mahestola -700 141, West Bengal, India. | **Telephone:** +91 332 950 1056 | **E-mail:** info@forcasstudio.in | **Facsimile:** NA; **Website:** www.focasstudio.in | **Contact Person:** Sangita Kumari Agarwal, Company Secretary and Compliance Officer

OUR PROMOTERS: SAILESH AGARWAL AND SOURAV AGARWAL

ATTENTION INVESTORS – ADDENDUM

The Company has issued Red Herring Prospectus ('RHP') dated August 8, 2024 in respect of IPO of the Company which was opened for subscription on August 19, 2024 and closed on August 21, 2024.

Attention of investors is being brought that the below disclosure shall also be read together under the heading 'Basis for Allotment' in the chapter titled "Issue Procedure" on page no. 258 of the RHP:

ALLOTMENT PROCEDURE AND BASIS OF ALLOTMENT

The Allotment of Equity Shares to Bidders other than Retail Individual Investors and Anchor Investors may be on proportionate basis. For Basis of Allotment to Anchor Investors, Bidders may refer to Red Herring Prospectus. No Retail Individual Investor will be Allotted less than the minimum Bid Lot subject to availability of shares in Retail Individual Investor Category and the remaining available shares, if any will be Allotted on a proportionate basis. The issue is 100% under written.

Flow of Events from the closure of Bidding period (T DAY) Till Allotment:

- On T Day, RTA to validate the electronic bid details with the depository records and also reconcile the final certificates received from the Sponsor Bank for UPI process and the SCSBs for ASBA and Syndicate ASBA process with the electronic bid details
- RTA identifies cases with mismatch of account number as per bid file / FC and as per applicant's bank account linked to depository demat account and seek clarification from SCSB to identify the applications with third party account for rejection.
- Third party confirmation of applications to be completed by SCSBs on T+1 day.
- RTA prepares the list of final rejections and circulate the rejections list with BRLM(s)/ Company for their review/ comments.
- Post rejection, the RTA submits the basis of allotment with the Designated Stock Exchange (DSE).
- The DSE, post verification approves the basis and generates drawal of lots wherever applicable, through a random number generation software.
- The RTA uploads the drawal numbers in their system and generates the final list of allotees as per process mentioned below.

Process for generating list of Allottees:

- Instruction is given by RTA in their Software System to reverse category wise all the application numbers in the ascending order and generate the bucket /batch as per the allotment ratio. For example, if the application number is 78654321 then system reverses it to 12345687 and if the ratio of allottees to applicants in a category is 2:7 then the system will create lots of 7. If the drawal of lots provided by Designated Stock Exchange (DSE) is 3 and 5 then the system will pick every 3rd and 5th application in each of the lot of the category and these applications will be allotted the shares in that category.
- In categories where there is proportionate allotment, the Registrar will prepare the proportionate working based on the oversubscription times.
- In categories where there is undersubscription, the Registrar will do full allotment for all valid applications.
- On the basis of the above, the RTA will work out the allotees, partial allotees and non- allottees, prepare the fund transfer letters and advice the SCSBs to debit or unblock the respective accounts.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
Horizon Management Private Limited 19 R N Mukherjee Road, Main Building, 2nd Floor, Kolkata- 700 001,West Bengal, India. **Telephone:** +91 33 4600 0607 **Facsimile:** +91 33 4600 0607 **Email ID:** smeipo@horizon.net.co **Website:** www.horizonmanagement.in **Investor Grievance ID:** investor.relations@horizon.net.co **Contact Person:** Manav Goenka **SEBI Registration Number:** INM000012926	**MAS Services Limited** T-34, 2nd Floor, Okhla Industrial Area, Phase - II, New Delhi -110 020, Delhi, India; **Telephone:** +91 112 638 7281/83 **Facsimile:** +91 112 638 7384 **Email ID:** info@masserv.com **Website:** www.masserv.com **Investor grievance:** investor@masserv.com **Contact Person:** N C Pal **SEBI Registration:** INR 000000049 **Validity:** Permanent	**FORCAS STUDIO LIMITED** Sangita Kumari Agarwal, Company Secretary and Compliance Officer Tara Maa Tower, B3-71C/161 B B T Road, Vivekanandapur, South 24 Parganas, Thakurpukur Mahestola -700 141, West Bengal, India. **Tel:** +91 332 950 1056 **Email:** info@focasstudio.in	**Website:** www.focasstudio.in **CIN:** U14101WB2024PLC267500 Bidders are advised to contact the Company Secretary and Compliance Officer, the BRLM and/or the Registrar to the Issue in case of any pre-Issue or post-Issue related problems such as non-receipt of letters of Allotment, credit of Allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of funds by electronic mode etc.

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the Red Herring Prospectus.

For FORCAS STUDIO LIMITED
Sd/-
Sailesh Agarwal
Managing Director

Place: Kolkata
Date: August 21, 2024

Disclaimer: Forcas Studio Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the RHP with the Registrar of Companies, Kolkata, West Bengal, on August 9, 2024, and thereafter with SEBI and the Stock Exchange. The RHP is available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, NSE at www.nseindia.com and is available on the website of the BRLM at www.horizonmanagement.in. Any potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please refer to the RHP including the section titled "Risk Factors" beginning on page 26 of the Red Herring Prospectus.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the "Securities Act") or any state securities laws in the United States, and unless so registered, and may not be issued or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and in accordance with any applicable U.S. state securities laws. The Equity Shares are being issued and sold outside the United States in 'offshore transactions' in reliance on Regulation "S" under the Securities Act and the applicable laws of each jurisdiction where such issues and sales are made. There will be no public offering in the United States.

AdBaaz